Regarding need to reserve a separate railway coach for Army personnel-Laid

श्री सनातन पांडेय **(**बलिया**)** भारत के गौरवशाली परंपरा एवं इतिहास में भारतीय सेना का सर्वोच्च स्थान है । भारतीय सेना के वीर जवानों ने समय-समय पर अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की है । भारतीय सेना ने विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ाया है लेकिन मुझे अफसोस है कि जवानों की कुर्बानी को हमारी सरकार इनका मान सम्मान नहीं दे पा रही है । अभी हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच जो अघोषित युद्ध हुआ, जिसमें पाकिस्तानी सेना के मंसूबों पर पानी फेर दिया गया । लेकिन हमारी सरकार हमारे वीर जवानों को वह सुविधा नहीं दे पा रही है जिससे जवानों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । अभी हाल ही में प्रयागराज में ट्रेन कंडक्टर के द्वारा 24 जवानों को ट्रेन से उतार दिया गया है जिस पर सरकार से जवाब चाहता हूं तथा निम्नलिखित मांगें सरकार के समक्ष रख रहा हूं जिस पर विचार कर पूर्व में निर्णय लिया जाए जिससे कि जवानों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े । पहले जवानों की छुट्टी सुबह मंजूर होती है और शाम को ट्रेन से जवानों को घर के लिए बिना आरक्षण निकलना पड़ता है । सरकार हर ट्रेन में एक थर्ड एसी का कोच अलग से जवानों के लिए लगा सकती है जिससे जवानों को आरक्षित और आरामदायक यात्रा की सुविधा प्रदान हो सके ।